पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रो0 अवस्थी के विधान परिषद में दिये गये भाषणों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित करें - राज्यपाल
प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी एक असाधारण व्यक्ति एवं कुशल वक्ता थे - राज्यपाल पश्चिम बंगाल

लखनऊः 09 जुलाई, 2017

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आज पर्यावरण अध्ययन संस्थान द्वारा पं0 हरिकृष्ण अवस्थी जन्मशती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, प्रदेश के वित्त मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, अध्यक्ष पर्यावरण अध्ययन संस्थान श्री रमेश कुमार मिश्र, सुश्री आभा अवस्थी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। राज्यपाल श्री राम नाईक ने इस अवसर पर हरिकृष्ण अवस्थी पर आधारित स्मृति ग्रन्थ का लोकार्पण किया तथा पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने प्रो0 अवस्थी के जीवन पर निर्मित वृत्तचित्र का लोकार्पण किया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के उमा-हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में लगे प्रो0 अवस्थी के चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि गुरू पूर्णिमा के दिन शिक्षक एवं अद्वितीय कुलपति प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी का जन्मशती समारोह वास्तव में विशिष्ट समारोह है। कुलपति बनने के बाद उन्होंने कुलपति पद का वेतन नहीं लिया और उसी संचित धन से उनकी स्मृति में सभागार का नवीनीकरण किया गया। आज के दिनों में वेतन न लेना हैरत की बात है। सभागार के नवीनीकरण के माध्यम से उनके परिजनों द्वारा एक तरह से उनका सारा वेतन विश्वविद्यालय को वापस किया। उन्होंने कहा कि प्रो0 अवस्थी ने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

श्री नाईक ने कहा कि प्रो0 अवस्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की, छात्रसंघ के अध्यक्ष बने, शिक्षक बने और उसी विश्वविद्यालय में कुलपति पद का दायित्व निभाया। यह सरल बात नहीं है। बात यही तक सीमित नहीं है बल्कि उन्होंने विधान परिषद में शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करते हुये पढ़े-लिखे मतदाताओं का विश्वास जीता। प्रो0 अवस्थी ने 36 वर्ष तक जनप्रतिनिधि के रूप में समाज की सेवा की। उन्होंने कहा कि प्रो0 अवस्थी के अनुभवों से लाभ उठाने के लिये उनके कृतित्व को समाज के सामने लाने की जरूरत है।

राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि प्रो0 अवस्थी पर आधारित पुस्तक प्रेरणा देने वाला ग्रंथ है। विधान परिषद का इतिहास बताता है कि सदन में उनकी बात गंभीरता से ली जाती थी। विधान परिषद में दिये गये प्रो0 अवस्थी के भाषणों को लाइब्रेरी तक सीमित न करके उसे एक अलग पुस्तक के रूप में प्रकाशित कराया जाये तो विधान सभा, विधान परिषद और जनता को उससे लाभ होगा। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पुस्तक में प्रो0 अवस्थी का जीवन वृत भी सम्मिलित किया जाये जो पाठकों की जानकारी के लिये उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि प्रो0 अवस्थी के जीवन से प्रेरणा प्राप्त करके उनका अनुसरण करने का संकल्प लेना चाहिये।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी ने कहा कि प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी एक असाधारण व्यक्ति एवं कुशल वक्ता थे। उनका रोबीला व्यक्तित्व सबको प्रभावित करने वाला था। उनकी निर्भिकता और स्पष्टवादिता सर्वविदित थी। सदन में एक बार उन्होंने एक विधायक को इसलिये डांटा था क्योंकि विधायक की भाषा अमर्यादित थी। वे मर्यादित भाषा में विश्वास करते थे। समाज सेवा में उनका 36 वर्ष का रिकार्ड रहा है। सत्ता पक्ष की कमी उजागर करना उनकी विशेषता थी। उन्होंने कहा कि आज के जनप्रतिनिधियों को उनसे प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिये।

वित्त मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रो0 अवस्थी विलक्षण व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। वे अपनी बात विद्वतापूर्ण तरीके से रखते थे तथा शिक्षा के प्रति समर्पित थे। उन्होंने प्रो0 अवस्थी से जुड़े कई प्रसंग भी उद्धृत किये।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रतिकुलपति प्रो0 यू0एन0 द्विवेदी ने दिया तथा आभार ज्ञापन सुश्री आभा अवस्थी द्वारा दिया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (261/16)

CHEMISTRY
पर्यावरण अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित
पंडित हरिकृष्ण अवस्थी जन्मशती समारोह 2017